

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	<i>आश्विन 20, गुरुवार, शाके 1945-अक्टूबर 12, 2023</i> <i>Asvina 20, Thursday, Saka 1945- October 12, 2023</i>	

**भाग-1(ख)**

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

प्रपत्र – एम

**वन विभाग जयपुर**

विज्ञप्ति

**जयपुर, मई 17, 2023**

**संख्या प. 2(10)वन/2023** :-चूंकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पत्तिया हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है,

और चूंकि ऊपर कथित वनभूमि या बंजर भूमि को सरकार, राजस्थान वन अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अन्तर्गत संरक्षित वन के रूप में घोषित करने का विचार रखती है,

और चूंकि, पूर्वोक्त भूमि पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी प्रकार से लेखबद्ध नहीं किये गये हैं,

और चूंकि, सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या पर सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा एवं स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना एवं उन्हें लेखबद्ध किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका रहेगी।

अब इसलिए, राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम सं. 13) की धारा 29 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वनभूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों की जाँच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती है और ऐसी जांच, साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि इस अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11(2), 12, 13, 14, 17, 18 एवं 19 में प्रावहित है।

और, इस अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, राजस्थान सरकार ऊपर कथित जांच एवं अभिलेख के विचारार्थ रहते, कथित वनभूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा संरक्षित (रक्षित) वन के रूप में घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी और न ही उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और इस अधिनियम की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से आरक्षित हो जावेंगे और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा किसी भी प्रकार की वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और उक्त वन में

किसी भूमि की खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य प्रयोजनार्थ वन की सफाई करना या वनभूमि को खण्डित किया जाना निषिद्ध करती है।

1- अनुसूची (वनभूमि एवं बंजर भूमि की सूची)

अनुसूची (वनखण्ड में पेड़ प्रजातियों की सूची)

राज्यपाल की आज्ञा से,

शिखर अग्रवाल,  
अतिरिक्त मुख्य सचिव।

**अनुसूची प्रथम (वनभूमि एवं बंजर भूमि की सूची)**

क्र. सं.	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	दिशा	दिशावार सीमा विवरण	राजस्व ग्राम	विवरण		
							खसरा न०.	क्षेत्रफल (हेक्टर)	भूमि की किस्म
1	रावरा तृतीय	बाप	जोधपुर	उत्तर	राजस्व गांव रावरा के खसरा नंबर 302/301 की भूमि	रावरा	322/317	3.8805	गै.मु. वन विभाग
				दक्षिण	राजस्व गांव रावरा के खसरा नंबर 254 की भूमि				
				पश्चिम	राजस्व गांव रावरा के खसरा नंबर 327/325 की भूमि				
				पूर्व	राजस्व गांव रावरा की पडत भूमि				
					योग			3.8805	

जोधराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
बाप।

अजित उचोई,  
उप वन संरक्षक,  
जोधपुर।

## वनखण्ड रावरा तृतीय

## द्वितीय अनुसूची

प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची

क.स.	बोटनिकल नाम	हिन्दी नाम
1	Prosopis cineraria	खेजड़ी
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Tecomella undulata	रांहेहिडा
4	Acacia nilotica	देशी बबूल
5	Acacia tortilis	अकेसिया टोटलिस

जोधराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
बाप।

अजित उचोई,  
उप वन संरक्षक,  
जोधपुर।

## प्रमाण - पत्र

वन खण्ड -रावरा तृतीय

रैंज -बाप

वनमण्डल -जोधपुर

- 1- प्रारूप में दर्शाई गई भूमि राज्य सरकार से वनभूमि प्रत्यावर्तन से प्राप्त हुई है भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबन्दी में गैर मुमकिन मगरा, वन विभाग के नाम से दर्ज है तथा यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमलदरामद है।
- 2- विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन है। प्रस्तावित भूमि में कोई अतिक्रमण, खनन कार्य नहीं किये हुए है।
- 3- प्रस्तावित वन क्षेत्र में वृक्षारोपण स्थापित किया जाना प्रस्तावित हैं
- 4- प्रस्तावित भूमि पर कुछ मरुस्थलीय झाड़ियां हैं तथा वृक्षों का घनत्व नगण्य है।
- 5- प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन है तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमियां वन सीमाओं से प्रथक हैं एवं इससे प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा।
- 6- प्रस्तावित भूमि का राजस्व मानचित्र संलग्न है।
- 7- आवंटित भूमि का मौके पर सीमाज्ञान नहीं होने के कारण अधिसूचना हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किये जा सके थे किन्तु अब सीमाज्ञान एवं तरमीम होने के पश्चात प्रस्ताव प्रारूप बनाये जाकर प्रेषित किये जा रहे हैं।
- 8- इस वनभूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

जोधराज सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी,  
बाप।

अजित उचोई,  
उप वन संरक्षक,  
जोधपुर।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।